



भारत का वार्तालापन

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41] नई विल्सी, शनिवार, अक्टूबर 11, 1980 (आश्विन 19, 1902)

No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 11, 1980 (ASVINA 19, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग ग्रंथालय के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)

भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों में सम्बन्धित प्रधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)

भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्ततियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित प्रधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की

गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित प्रधिसूचनाएं

भ्रम्म—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की

गई, अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्ततियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित प्रधिसूचनाएं

भाग II—खण्ड 1—प्रविनियम, प्रध्यादेश और विनियम

भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्ट

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य कोटों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के ग्रन्थालय द्वारा जारी

किए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के प्रादेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) *

571 भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य कोटों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के ग्रन्थालय बनाए और जारी किए गए प्रादेश और प्रधिसूचनाएं *

1285 भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रधि- सूचित विधिक नियम और प्रादेश *

19 भाग III—खण्ड 1—महालखापरीशक, संघ लोक सेवा प्रायोग, रेन प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई प्रधिसूचनाएं 10853

1123 भाग III—खण्ड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई प्रधिसूचनाएं और नोटिस 503

— भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई प्रधिसूचनाएं 65

— भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधित अधिसूचनाएं जिनमें प्रधि- सूचनाएं, प्रादेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं 3941

भाग IV—गेर-सरकारी अवित्यों और गेर- सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस 173

*पृष्ठ संख्या ग्राहक नहीं है।

CONTENTS

PAGE		PAGE	
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	571	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	285	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	19	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	123	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	10853
PART II—SECTION 1.—Act, Ordinances and Regulations.	—	PART III—SECTION 2.—Notification and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	503
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committee on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	65
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	3941
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	173

भाग I—खण्ड 1
PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आवेदों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई विस्ती, दिनांक 29 सितम्बर 1980

सं० 78-प्रेज/80—राष्ट्रपति उत्तर प्रवेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी धीरता के लिए पुलिस पदक सहूर्ण प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री राजपाल सिंह,
पुलिस-उपनियोगिक,
सिविल पुलिस,
मेरठ,
उत्तर प्रदेश।

मिलाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

26 अप्रैल, 1979 की दोपहर लगभग 1 बजे जब श्री राजपाल सिंह, धीरता क्षेत्र में गमत लगा रहे थे तो उन्हें सूचना मिली कि कुशात डाकू राज सिंह, जो उत्तर प्रदेश तथा हार्याणा में सक्रिय है, गिरवर के द्वयब्बेल पर है। श्री राजपाल मिह उपलब्ध पुलिस दल को लेकर तुरन्त डाकुओं के छिपने के स्थान की ओर गये। डाकुओं को पुलिस के बाने का पता लग गया और उन्होंने उन पर गोली चलाई। श्री राजपाल सिंह ने डाकुओं को ललकारा और उनसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा किन्तु डाकुओं ने गोली लाना बन्द नहीं किया। वे पुलिस दल पर इक-इक कर गोलीबारी करते हुए गांव नगलावड़ी की ओर पीछे हटे। डाकुओं का पीछा करते हुए, गांव घनोर के युछ ग्रामपाली भी पुलिस दल के साथ हो गये। डाकू गांव वारकाड़ में पहुंचे और ईंट के खेतों में छिप गए। श्री राजपाल मिह अपने आदिमों को डाकुओं पर गोलीबारी करने रहने के लिए उत्साहित करते रहे। उन्होंने दल के एक सदस्य में राहफल ले ली और एक डाकू को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस दल के अन्य सदस्यों ने दो डाकुओं को मार दिया।

इस मुठभेड़ में श्री राजपाल मिह ने उत्कृष्ट धीरता, पहन पानी, नेतृत्व और उच्च कोटि की कर्त्तव्य-निष्ठा का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम ५(i) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम ५ के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत पत्ता भी दिनांक 26 अप्रैल, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 79-प्रेज/80—राष्ट्रपति केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी धीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहूर्ण प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री भारदुल सिंह,
प्रशान, सुरक्षा गार्ड सं० 6909613,
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा दल यूनिट,

(स्वर्गीय)

शिवित ग्राम परिषद शिंह,
धीरता,
बिहार।

मिलाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

24/25 नवम्बर, 1979 की रात्रि को श्री लालजीत राम, उपनियोगिक के नेतृत्व में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा दल की एक टुकड़ी जिसमें तीन प्रवान सुरक्षा गार्ड थे, तांबे के तारों की ओर, त्रिपंडे धीरता तेनशोव झेत्र के पुराने भण्डार झेत्र में होने की संभावना थी, रोकते के लिए प्रतिनियुक्त किया गया। दल को तीन टुकड़ियों में विभाजित किया गया। जब कि उपनियोगिक के नेतृत्व वाली टुकड़ी ने केवल-स्टैक के समीप स्थित संभाली, श्री भारदुल सिंह प्रधान सुरक्षा गार्ड के नेतृत्व वाली टुकड़ी को स्टैक-घार के उत्तर की ओर तेनात किया गया। तीसरी टुकड़ी को दक्षिण की ओर सैनात किया गया। रात्रि के लगभग 11 बजकर 15 मिनट पर अपराधी चारखीधारी को लांघकर तेल शोष के निषिद्ध झेत्र में अवैध रूप से घुस आये। जब वे केवल-स्टैक के पास पहुंचे तो श्री लालजीत ने उन्हें ललकारा। उनमें से दो अपराधी दक्षिण विशा की ओर आये और केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा दल की तीसरी टुकड़ी के कम्बारियों ने उनका पीछा किया। अपराधियों को पकड़ने में राहगत करने के लिए श्री भारदुल सिंह भी तुरन्त एक सुरक्षा गार्ड के साथ जो उत्तरी ओर भी निगरानी कर रहे थे, वक्षिण दिणा की ओर गए। रास्ते में अनी शाहियो, भारी मात्रा में काठ-कबाह और ऊंची नींवी जमीन के कारण श्री भारदुल सिंह सुरक्षा गार्ड से अलग ही गये। जब श्री भारदुल सिंह जो केवल एक लाठी लिए हुए थे उम स्थान पर पहुंचे, जहां तारों को रखा हुआ था तो उन्होंने एक शाड़ी में एक अपराधी को छिपा हुआ देखा। श्री भारदुल मिह उस अपराधी को, जिसके पास हवियार होने की संभावना थी, पकड़ने में लाने जीवन के लिए खतरे की परवाह न करते हुए, उस पर पहुंचे। परन्तु अपराधी ने भारदुल सिंह की छाती और पेट में गोली मार दी जिस परिणामस्वरूप वे भारदुल मिह की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

इस कार्रवाई में श्री भारदुल मिह ने उत्कृष्ट धीरता, दब संकल्प, अद्वितीय साहम एवं उच्च कोटि की कर्त्तव्य-प्रार्थना का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम ५(i) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम ५ के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भस्ता भी दिनांक 24 नवम्बर, 1979 से दिया जाएगा।

इस्पात और खान मंत्रालय

नियमावधी

नई शिल्पी, दिनांक 11 अक्टूबर 1980

सं० ए०-१२०२५/६८०-ए०-११—भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में निम्नलिखित रिपोर्टों को भरने के लिए 1981 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतिवेगिता परीक्षा की नियमावधी कुप्रिय मंत्रालय की महमति से सर्वग्राहण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है:—

वर्ग-I (भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय के पद)

- (i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) सुप क और
- (ii) महायक भू-विज्ञानी प्रप ए

वर्ग-II (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, कुप्रिय मंत्रालय के पद)

महायक जल-भू-विज्ञानी सुप ए

1. उम्मीदवार उपयुक्त पद-वर्गों में से किसी एक या दोनों के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आदेन-पत्र में उन पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए, जिनके लिए यह वरीयता कम में विवार किए जाने का छवचुक है।

जिन पद वर्गों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा निर्विष्ट वरोत्तमाओं के परिवर्तन संबंधी किसी अनुरोध पर तब तक विवार नहीं किया जाएगा, जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से अन्य अनुरोध नियमित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने की तारीख के 30 दिन के अन्दर की या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में पात्र न हो जाए।

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियाँ कुछ में अस्थायी रूप में की जायेंगी। जैसे ही स्थायी रिक्तियाँ होंगी उम्मीदवार अपनी आरी में स्थायी रूप से नियुक्त कर दिए जाएंगे।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती जाने वाली रिपोर्टों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए तोटिम में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के अर्थ संक्षिप्तान (अनुसूचित जातियों), आदेन, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जातियों) आदेन, 1950; संविधान (अनुसूचित जातियों) (संघ राज्य धोन) आदेन, 1951; भविधान (अनुसूचित जन-जातियों) (संघ राज्य धोन) आदेन, 1951; (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों सूचियाँ (आयोगीन) आदेन, 1956; बम्बई, पुर्वर्णन अधिनियम, 1960, पंजाब पुर्वर्णन अधिनियम, 1966; दिसंबर प्रदेश राज्य अधिनियम, 1979 और उत्तर पूर्वी धोन (पृष्ठांश) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों आदेन (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित गंविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेन, 1956; अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों आदेन (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित (अंडमान और निकोबार द्वीप गम्भीर) अनुसूचित जन-जातियों आदेन, 1959; संविधान (दादर और नागर हैवेनी) अनुसूचित जातियों आदेन, 1962; संविधान (दादर व नागर हैवेनी) अनुसूचित जन-जातियों आदेन, 1962; संविधान (पाइक्चरी) अनुसूचित जातियों आदेन, 1964; संविधान (अनुसूचित जातियों) (उत्तर प्रदेश) आदेन, 1967; संविधान (गोआ, दमन और दिसु) अनुसूचित जातियों आदेन, 1968; संविधान (गोआ, दमन तथा दिसु) अनुसूचित जन जातियों आदेन, 1968; और संविधान (नामान्देड) अनुसूचित जन जातियों आदेन, 1970; में उल्लिखित जातियों/जन-जातियों में से कोई एक है।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम-1 में निर्धारित रीति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कब और कहाँ होगी, यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

5. उम्मीदवार को या तो :—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थायी निवास के द्वारा से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ तिवरी गणनाधीं हो, या
- (झ) भारत में स्थायी निवास के द्वारा से नाक्सान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य दंजानियाँ के पूर्वी अपीली देशों या जामिया, मलायी, जेरे, ध्वियंपिया और विश्वनाम में प्रवर्जन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो,

किन्तु यह है कि उपयुक्त वर्ग (झ), (ग), (घ) और (झ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है; किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल नभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया हो।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी 1981 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 अप्रूपी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1951 से पहले और 1 जनवरी, 1960 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नींवे के कालम-1 में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित हैं और यदि वे कालम-1 में उल्लिखित समस्ती पर्याप्त (पदों) हेतु आवेदन करते हैं उनके मामले में किसी आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट दी जाएगी।

कालम-1	कालम-2
भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण	भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) सुप क सह- यक भू-विज्ञानी
केन्द्रीय भू-जल बोर्ड	रहायक जल भू-विज्ञानी सुप ए

(ग) निम्नलिखित स्थितियों से ऊपर नियोजित उपरी आयु सीमा में और छूट दी जाएगी:—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 से 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ हो या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक सीधी वर्ष;

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रेष्ठका दाखर के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उनके बाद वस्तुः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उनसे कीनिया, उगांडा, और नंजानिया संयुक्त गणराज्य में प्रशंसन किया हो या जाविया, मलाई, जैरे और इफिगोविया, से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(vii) यदि उम्मीदवार वर्षा से 1 जून, 1963 को या उनके बाद वस्तुः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का हो और वर्षा से 1 जून, 1963 को या उनके बाद वस्तुः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(ix) भारत देश के माथ संघर्ष में या अगांतिगमन क्षेत्र में कीरी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मूलत हुए रक्षा सेवा के कामिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(x) शत्रु देश के माथ संघर्ष में या अगांतिगमन क्षेत्र में कीरी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मूलत हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के कामिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मूलत हुए ग्रीमा रुक्खा वल के कामिकों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष; और

(xii) 1971 के भारत-पाकिस्तान भवर्ष में विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मूलत हुए ग्रीमा रुक्खा वल के कामिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित वृक्ष है भारतीय व्यापक (जिसके पास भारतीय पारपद हो) है और उसके दौरान उम्मीदवार यिक्के पास विधानसभा में भारतीय राज-कूतावाम द्वारा जारी किया या आपानामान का प्रमाण-पत्र है और जो विधानसभा से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष;

उपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु ग्रीमा में किसी नी हालत में छुट नहीं दी जा सकती।

आनंदः—(i) जिस उम्मीदवार की नियम 6 (थ) के अंतर्गत परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी तभी अधिकारदेवता एवं भेजने के बाद वह परीक्षा ते फड़ते या परीक्षा देने के बाद देवा ने व्यापकता दे देता है या विभाग कार्यालय द्वारा उसकी मेवांग समाप्त कर दी जाती है। इन्हें अधिकारदेवता भेजने के बाद यदि उभारी सेवा दा पहले छंटनी हो जाती है तो वह याकू बहुत रुक्खा।

(ii) जो उम्मीदवार विभाग को अपना अनुसूचित-जन प्रस्तुत कर देने के बाद (जो अन्य पिण्डायकार्यालय को स्थानांतरित हो जाता है यह उप पर (पदों) हेतु विभागीय आयु संबंधी गिरावत लेकर प्रतिनियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानांतरण न होने पर रहता; बास्ते कि उसका

अधिकार-पत्र विधिवत् प्रत्युषांसा सहित उसके मूल विभाग द्वारा अप्रेषित कर दिया गया।

7. उम्मीदवार के पास

(क) भारत के केन्द्र या राज्य विभाग मंडल के अधिनियम द्वारा नियमित किसी विष्वविद्यालय की या संबद्ध के अधिनियम द्वारा स्थापित या विष्वविद्यालय प्रत्यावर्तित आयोग अधिनियम 1956 की द्वारा 3 के अधीन विष्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किसी अन्य विद्या मंस्थान से भू-विज्ञान या प्रयुक्त भू-विज्ञान में 'मास्टर' डिप्लोमा अवश्य होनी चाहिए; या

(ख) भारतीय खान विद्यालय धनबाद से प्रयुक्त भू-विज्ञान में एसोशिएटशिप का डिप्लोमा।

(ग) कोचीन विष्वविद्यालय से गम्ब्रा भू-विज्ञान में एम० एम० मी० डिप्लोमा अवश्य होनी चाहिए।

(घ) कनटिक विष्वविद्यालय से खनिज अन्वेषण में एम० एम०-मी० डिप्लोमा (केवल भारतीय भू-विज्ञान सर्वोक्षण के पदों के लिए)

नोट-I: यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ कुका हो जिसे उत्तीर्ण कर नेने पर वह परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की मूलता न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन फरम कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि वे अन्यथा पाल हों तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम भागी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31 जुलाई 1981 तक प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट-II: विषेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी योग्यिक दृष्टि से योग्य मान भएगा है जिसके पास इस नियम में विहित अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो अर्थात् कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास घर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ग्रेमा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उन्हें ठहर गए।

नोट-III: जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विशेष विष्वविद्यालय की डिप्लोमा है तो वह भी शायें आयोग को आवेदन कर मक्ता है और उसे आयोग की विज्ञा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस वें बैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

9. जो अवक्तु पहले रो ही सरकारी नोटिसी भें आकस्मिक या दैनिक दर कमचारी से इसर स्थायी या अन्य रूप से रुक्खा दे कार्य प्रभास्ति अन्तर्गतियों की हेतुनियत गे ताम पर रहे ते उन्हें एल परियवर्त (प्रंड-ट्रेनिंग) प्रस्तुत करना होगा यि उन्हें दिया रुपर ने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है यि उन्हें इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

10. उक्त परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को रावता या अपालता के बारे में आयोग का नियंत्रण अतिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा भ तज नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास अन्योग का प्रवेश-ग्रमाण-पत्र (र्गटिक्षेट आफ एडमीशन) न हो।

12. जिस उम्मीदवार ने :—

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त दिया है अवश्य

- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है; अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छछ रूप से कार्य साधन कराया है अथवा
- (iv) जाली प्रश्नेश्च या ऐसे प्रश्नेश्च प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो। अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है। अथवा
- (vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के संबंध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित भाधनों का प्रयोग किया हो। अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकालों पर अन्तर्गत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों। अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाकार किया हो, अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कम्बिटरियों को परेशान किया हो। या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो, अथवा
- (xi) पूर्वोक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो। या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर धापाधिक अधियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और इससे भाष्य ही उसे:—
 - (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिपका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
 - (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अधिकार के लिए
 - (1) आयोग द्वारा दी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से
 - (2) केंद्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वार्ता किया जा सकता है, और
 - (ग) यदि वह भरकार के अन्तर्गत पहले से ही सेवा में है तो उसके विळङ्ग उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक

 - (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित आभ्यासेन जो वह बैठना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
 - (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत भाष्य में प्रस्तुत आभ्यासेन पर, यदि कोई हो, विचार है कर लिया गया हो।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विवाह पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर भेजे हैं उन्हें अवितत्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा:

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संज्ञा में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाया जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर अवितत्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाया और हर परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उनमें ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त

करने के लिए अनुशंसा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संज्ञा तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, जाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिए अनुरोधित किए जा सकेंगे, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पक्ष अवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करने समय उम्मीदवार द्वारा प्रावेदन पक्ष में विभिन्न पदों के लिए बताए गए वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवासकानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार अरित तथा पूर्वक दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक नियन्त्रण में बाधक हो। यदि विशिष्ट डाक्टरी परीक्षा के बारे जो यथास्थिति सरकार या नियुक्ति आधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात द्वारा कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के नियुक्ति किए जाने की संभावना है केवल उन्हीं की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी। डाक्टरी परीक्षा के समय उम्मीदवार शुल्क के रूप में ₹ 16.00 का भुगतान मेडिकल बोर्ड को करेंगे।

नोट : निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों की सनाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले मिलित सर्जन के स्तर के सरकारी विकासी अधिकारी से अपनी डाक्टरी परीक्षा कर लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षणों से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट-II में दिए गए हैं। 1971 के भारत पाल संघर्ष के दौरान विकासी द्वारा और परिणामस्वरूप नियुक्ति हुए भूस्पूर्व सेनिकों और सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकासी द्वारा व्यक्तियों को पद विशेष की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छूट दी जाएगी।

19. जिस व्यक्ति ने

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहने हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पाल नहीं माना जाएगा:

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात में सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह हेसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर नागरिक होने वाले व्यक्तिका कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के लिए अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दी जा सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-III में दिया गया है।

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा नियन्त्रित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग 1 :—नीचे पैरा 2 में लिखित विषयों में नियन्त्रित परीक्षा।

भाग 2 :—आयोग द्वारा साक्षात्कार हेतु बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षा जो अधिकतम् 200 अंकों (देखिए नीचे पैरा 7) का है।

2. नियन्त्रित परीक्षा मिस्ट्री विषयों में ली जाएगी।

विषय	समय	पूर्णता
1	2	3
(1) सामाज्य अंगेजी	1-1/2 घण्टा	100
(2) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र-1 जिसमें सामाज्य भूविज्ञान, संरचनात्मक भू-विज्ञान, स्तरक्रमविज्ञान और जीवायन विज्ञान होंगे।	3 घण्टे	200
(3) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र-II जिसमें क्रिस्टल विज्ञान खनिज विज्ञान, शैल विज्ञान और भू-रसायन विज्ञान होंगे।	3 घण्टे	200
(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र-III जिसमें भारतीय खनिज निषेप, खनिज प्रबन्धण, खनिज ग्रंथालय और आर्थिक भू-विज्ञान होंगे।	2 घण्टे	150
(5) जल भू-विज्ञान	2 घण्टे	150

नोट :—वर्ग-I और वर्ग-II के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। केवल वर्ग-I के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय लेने होंगे और केवल वर्ग-II के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तक तथा (5) विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णता: 'वस्तु परक' (बहु विकल्प उत्तर) प्रकार की होगी। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस के अनुबन्ध-II पर "उम्मीदवारों को सूचनाएं विवरणिका" देखिए।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यकार्य संलग्न अनुसूची के अनुसार होगा।

5. उम्मीदवारों को उत्तर अपने ही हाथ से लिखने आहिए। उग्रें उत्तर लिखने के लिए किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिए अर्हंक अंक निश्चित कर सकता है।

7. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधाविकता, व्यवहाराकृतात्मता तथा अर्थ सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जाविता, प्रायोगिक अनुबूयोग की शक्ति और चारिकारिक निष्ठा के निर्वरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

8. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

अनुसूची

स्तर और पाठ्यकार्य

अंगेजी के प्रश्न-पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान के स्नातक से की जाती है। भूविज्ञानिक विषय भारतीय विश्वविद्यालय की एम० एस-सी० इंजी ल्टर के होंगे और सामान्यतः प्रत्येक विषय में ऐसे प्रश्न रखे जाएंगे जिसमें उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) सामान्य अंगेजी

अंगेजी भाषा की समझ और अभिव्यक्ति करने की शक्ति की ओर करते के प्रश्न दिए जाएंगे।

(2) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र-1

(क) सामाज्य भूविज्ञान-भू-उद्गम

महाद्वीप और महासागर—उनका विभाजन, विकास और उद्गम। महाद्वीपीय विस्थापन, महासागर विस्तारण और ऐट विदर्तनिकों की संकल्पना। पुराजलवायु और उनकी विवेषता। समस्थिति। पुराचुम्बकत्व। विधटनात्मिकता और उसका अविज्ञान में अनुप्रयोग। भूकालामुक्तम और भू-काल। भूक्यामविज्ञान और भूगर्भ। भू-भूषिति। ज्वालामुखीयता। द्वीप चाप, गम्भीर, सागर, खाइयां और मध्य महासागरीय कटक। कोरल रीढ़। पर्वतन और महाद्वीप रचना। पर्वतनी चक्र।

(ख) भू-आकृतिविज्ञान: भू-आकृतिक प्रक्रम; लक्षण और उनके प्राचल। भूआकृतिक चक्र और उनका अर्थ-निर्वर्जन। स्थलाकृति और संरचनाओं से इसका संबंध। मूदा।

(ग) संरचनात्मक भूविज्ञान—चट्टानों के भौतिक गुण। विरूपण—भ्रंशन और बलन—उनकी यांत्रिकी। प्राथमिक संरचना। सरेकण, शल्कन और जोड़। वितल अत्तवधी और लक्षण गुम्बद। संस्तरों के शीर्ष तथा तल की पहचान। विषय विस्थापन पटल विरूपण। शैल सवन्यासी विशेषण।

(घ) स्तरिकी—स्तरिकी के सिद्धान्त तथा नामपद्धति। विषय स्तरिकी तथा पुराभूगोल की खपरेखाएँ। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्रारूप अनुमान। गोडवाना प्रणाली तथा गोडवाना महार्जं।

भारतीय उपमहाद्वीप (भारत, पाकिस्तान तथा बंगलादेश) की स्तरिकी तथा पुराभूगोल प्रमुख भारतीय शैल-समूह में सहस्वन्ध। भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएँ।

(ङ) पुराभूगोल (क) जीवाश्म, उनके प्रकार, संरक्षण पद्धति तथा प्रयोग। प्रकारों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण। तथा भूविज्ञान संबंधी इतिहास, प्रवाल, भुजपाद, पटल दग्नम, एनोनाइटी, जठरवाल, द्राइलाइटीज़, शूलचर्मी; प्रप्टोटाइट्रस और कामिनीफर्स।

(ज) गोडवाना तथा शिथालिक प्राणिजात पर बल वेते हुए कम्फ-कियों के प्रमुख समूह। मानक, हाथी तथा घोड़ा का विकास-वृत्।

(ग) गोडवाना वनस्पति पर बल सहित जीवाश्म बनस्पति तथा इसका महत्व और वितरण।

(घ) सूक्ष्मपुराभूगोल: फोरेमिनीफराइट्स के विषेष संदर्भ में इसका भूत्व, उनकी परिस्थिति विज्ञान तथा पुरास्थिति विज्ञान।

3. भूविज्ञान—प्रश्न-पत्र II

(क) क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलों के सममिति तत्व तथा वर्गीकरण। प्रक्षेत्र—गोलीय तथा शिविम, 32 क्लास (बिन्हू समूह)। यमलम तथा क्रिस्टल प्रपूर्णता।

(ख) वर्णनात्मक खनिज विज्ञान

खनिजों के भौतिक, रासायनिक, वैद्युत, चुम्बकीय तथा तापीय गुण-धर्म। गिलिकटों की संरचना तथा वर्गीकरण।

आलिवीन ग्रृष्ण, गानेटप्रूप, एपिडोट सूप्र और मलिनाइट ग्रृष्ण। जरकान, स्फीन, मिलीमैनाइट, हन्डालुमाइट, कायनाइट, पुरुग्राज, स्टोरोलाइट, ब्रेसिल, कार्डिङ्ग्राइट, द्वृष्टिशंकोन। पाहाराक्सीन मूँग और एम्फिबोल सूप्र। बोलेस्टोनाइट और रोडोनाइट। अश्वक समूह, क्षोरोगाइट ग्रृष्ण तथा मूल्तिका खनिज। फेल्सपार ग्रृष्ण, चिलिका मिनिट्लॉन केल्सिपैथाइट ग्रृष्ण जियोलाइट ग्रृष्ण तथा स्कैपलाइट ग्रृष्ण। आक्साइड्स, हाइड्रोक्साइड्स कार्बोनेट्स, फार्सेट, हेलाइट्स, सल्फाइट्स तथा सल्फेट्स।

(ग) प्रकाशित खनिज विज्ञान

प्रकाशिकी के मामान्त्र विज्ञान। प्रकाशिक उप माध्यन। अपवर्तन, द्विप्रवर्तन, विलोप कोण, बढ़वर्णन। प्रकाशित दीर्घवतज, प्रकाशिक अक्षीय कोण। प्रकाशक अभिविन्यास परिक्षेपण। प्रकीर्णन। प्रकाशिक विसंगतियाँ।

(घ) गैलविज्ञान

(i) आनेय: स्वरूप संरचना गठन और वर्गीकरण। ग्रेनाइट—ग्रेनोइयोराइट-डायोराइट। साइनाइट-ग्रेनोइन साइनाइट। ग्रेनोयर्ड-डोटाई-डूनाइट। डालराइट, लैम्प्रोफायर, पैरमाइट, एम्बाइट, आईजोलाइट तथा कार्बोनाइटाइट। रियोलाइट ट्रेकाइट, ऐराइट, पर्सेजाइट हथा वैसाइट।

मिलिकेट मिस्टम में प्रायस्था विशेष तथा माध्यन। द्विअटक तथा त्रिअटक तंत्र। क्रिस्टलीकरण-ज्ञान। अभिक्रिया मिट्टान्ट/क्रिस्टलीकरण-अनेकता। विभिन्नता। विभिन्नता आरेख। ग्रेनाइट्स, मोनोनिनरलिक तथा क्षीरीय शैल, कार्बोनाइटाइट्स, पैरमाइट्स तथा लैम्प्रोफायरों का उद्गम।

(ii) अवसादी: वर्गीकरण तथा बनावट। अवसादों का मूल। गठन और संरचना। अवसादी शैलों के प्रमुख समूहों का अध्ययन। अवसादों का यांत्रिक विश्लेषण। निक्षेपण की पद्धतियाँ। पुराधाराएँ तथा द्रोणी विश्लेषण। अवसादों का उद्गम क्षेत्र। निक्षेपणीय पर्यावरण, भारी खनिज तथा उनका महत्व। शिली भवन तथा प्रसंशन।

(iii) कार्यान्वयित शैल: कार्यान्वयन के कारण, प्ररूप, नियंत्रण, संरचना, श्रेणी तथा संक्षण। कार्यान्वयन के शैल। तत्वांतरण तथा ग्रेनाइटी भवन। अधिसंरचना, कणिकायम, चानोकाइट, बोलाइटग, शिस्ट, नाइसिसेज और हार्नेप्रिम्फ़ोल्स। मेडमा और श्रीराजरी के संबंध में कार्यान्वयन।

(छ) भू-रसायन विज्ञान

अवयवों का अन्तरिक्षी ब्रह्मलय, पृथ्वी का प्रारंभिक भू-रासायनिक विमदन, अवयवों का भू-रासायनिक वर्गीकरण, अनुरेश अवयव। जल का भू-रसायन विज्ञान। अवयवों का भू-रासायनिक विज्ञान, भू-रासायनिक खक्क तथा भू-रासायनिक पूर्वक्षण के मिठान्त।

(4) भू-विज्ञान प्रश्न-प्रस्त-III

(क) भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित धारानु तथा अध्यात्मु अवस्थाओं और खनिजों का भारतीय निक्षेप जो उनके वितरण, उपर्युक्ति तथा उद्गम स्प्रान्सी के संबंध में हो:

(क) नांवा, भीमा, जस्त, एल्यूमिनियम, मैग्नेशियम, लोहा, मैग्नेशियम, क्रोमियम, सोना, चादी, टंगस्टन तथा मोलिब्डेनम।

(ख) अश्वक, वर्मिक्यूलाइट, एस्ट्रेस्टम, वेरीटिस, ग्रेफाइट, जिप्सम, मैरिक, मूल्यवान तथा अल्यूमियम खनिज, उच्चवक्षापस्त्र, खनिज, अपाधर्मी तथा मूल्तिका-शिल्प हेतु खनिज, कांच, उर्वरक, सीमेट, प्रलेप तथा वर्णन उद्योग निर्माणी पर्याप्त।

(ग) कोयला, पेट्रोलियम, प्रकाशक गैस तथा परमाणु ऊर्जा खनिज।

(ख) खनिज अन्वेषण

पृथ्वीय तथा अपृथ्वीय अन्वेषण की पद्धतियाँ, क्षेत्रगत उपस्कर तथा अन्वेषण हेतु क्षेत्रगत परीक्षण; अवस्था निक्षेपों का पता देने वाले निवेदण,

अवस्था निक्षेपों का प्रतिनियन, आमापन और मूल्यांकन। खनिज अन्वेषण में भू-भौतिक, भू-रासायनिक तथा भूवैदिक सर्वेक्षणों का अनुप्रयोग।

(ग) खनिज अर्थग्रासस्त्र

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में खनिजों का महत्व। विनिर्माण उद्योगों में विभिन्न खनिजों का प्रयोग। मांग आपूर्ति और प्रतिस्थापन। भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य। खनिज उद्योगों के अन्तर्गत्रिय पद्धति। सामरिक, कांतिक और अनिवार्य खनिज। संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज नीति। खनिज उप उत्पादन में भारत की स्थिति।

(घ) ग्राहिक भूविज्ञान

खनिज निक्षेप—रूपण प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण। प्रावस्थक धातिक तथा अधारितिक तथा अप्राप्तिक खनिजों का अध्ययन, जो उनकी खनिजीयता, उपस्थिति तथा वितरण के संबंध में किया गया हो।

5. जल-भूविज्ञानी

जल-भूविज्ञान खक्क। भू-पर्यंती में जल वितरण जलीय चक्र में भू-जल आकाशी, मैम्पस और मैम्पीय जल और स्रोतों का उद्भव। जलधारी लक्षणों की वृष्टि से शैलों का वर्गीकरण, जल स्तरिकी एकक। भूजल की उपस्थिति के अनुकूल भूविज्ञानिक संरचना, भूजलक्षण। भू-जल भंडार—जल भर, मिनजलभूत, अवबोटाइस। जलभरों का वर्गीकरण।

शैलों के जलवैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल भंडार)—संरक्षण रिक्षित अनुपात, चुम्बकीयता, पाराम्परिता, स्टोरेटिविटी, आपेक्षिक पराभव, आपेक्षिक धारिता, विसरणशीलता। भू-जल भंडार के गुणधर्मों की पहचान की पद्धतियाँ—मूल पद्धतियों तथा प्रयोगशाला प्रविधियों के विसर्जन द्वारा चुम्बक शीलता और आपेक्षिक पराभव। स्टोरेटिविटी की पहचान। भू-जल को गति प्रदान करने वाले बल। भू-जल गति के नियम-डार्सी नियम के भू-जल का पुनर्भरण—हृत्रिम तथा प्राकृतिक, पुनर्भरण के नियंत्रक कारण, भू-जल के युति और क्षयी प्रयोग।

भू-जल अन्वेषण की पृथ्वीय तथा उपपृथ्वीय प्रविधियाँ—भू-वैज्ञानिक तथा भू-भौतिक—जल संकुप्ति। भू-जल नियंत्रण की प्रविधियाँ (कूप-प्ररूप नवर्धिक उपज हेतु विभिन्न प्रकार के शैल—क्षेत्रों में कूप-निर्माण की पद्धतियाँ)। विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—धर उद्धोष तथा मिकाई संबंधी के संबंध में भू-जल के गामायनिक लक्षण, जल प्रदूषण।

परिशिष्ट-II

उम्मीदवारों की भारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि अपेक्षित भारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षणों (मेडिकल एक्जामिनेस) के मार्ग निर्देशन के लिए भी ही हैं तथा जो उम्मीदवार हन विनियमों में निर्धारित अनुसार अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षणों द्वारा स्वास्थ्य घोषित नहीं किया जा सकता। इन्हें फिरी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को हस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को रोगा में निया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

यह साष्ट रूप में गमन लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा। उन रक्षा सेवाओं के कर्मचारियों तथा सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के मामले में जो 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए हों और उनके परिणामस्वरूप निर्मृत हुए हों पदों की अपेक्षाओं को देखते ही जाएंगी।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ छहराये जाने के लिए यह ज़रूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बावजूद वक्ता पूर्वक काम करते में शाधा पड़ने की संभावना हो।

2. मारतीय (एंग्लोइण्डिन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु कदम और छाती के बोरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ की गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे अवहार में लाएं। यदि वजन, कदम और छाती के बोरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रेनोग्राफी। ऐसा करने के बावजूद भी बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अधिकार अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा:—

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप तक (स्टेप्पर्ड) से इस प्रकार सटा कर छड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडियों के पांवों के अंगठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधी छड़ा होगा और उसकी एडियों, पिंडलियाँ, नितन्त्रक और कंधे मापदंड के साथ लगे होंगे। उसकी छोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स प्राफ वि हैड मेबल) हार्टिंगेल बार (आड़ी छड़े) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटरों और सेंटीमीटरों के भागों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती भापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भाँति छड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फैते को छाती के गिरंग इस तरह लगाया जाएगा कि इसका क्षेत्री किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इनफील्डर एंगिलस) के पीछे लगा रहे और वह फैते को छाती के गिरंग से जाने पर उसी प्राइड समतल (हार्टिंगेल/भेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उसे शरीर के साथ लटका रखने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान लगा जाएगा कि कंधे कपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि कीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कहा गया होगा कि उसका तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकॉर्ड किया जाएगा जैसे 84—89, 86—93.5 आदि। भाप रिकॉर्ड करने समय अधिक सेंटीमीटर से कम भिन्न (फैलसन) को नोट नहीं करना चाहिए।

ध्यान दें:—प्रतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकॉर्ड किया जाएगा:—

(i) सामान्य (जनरल):—किसी रोग या असामान्यता (एब-नार्मेलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को आंखों, पलकों प्रथम साथ लगी संरचनाओं (कार्लिंग्स और स्ट्रैक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता है, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीव्रता (विजुअल एक्युइटी):—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक जांच की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

जम्मे के बिना आंख की नजर (नेकेड ग्राइविजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या प्रथम मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकॉर्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में सूल-सूचना (वैसिक इनकारमेसेन) मिल जाएगी।

चासे के साथ और चासे के बिना दृष्टि तीव्रता का मानक निम्नलिखित होगा:—

दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि		
प्राची	छाती	प्राची	छाती
35 वर्ष से कम	6/9	6/9	.06
आयु बढ़ने	अथवा	अथवा	
उम्मीदवारों के	6/6	6/12	
लिए			

नोट (1) मायोपिया का कुल परिमाण (सिलेंडर सहित) 4.00 और से अधिक नहीं होना चाहिए। हाईपर मेट्रोपिया का कुल परिमाण (सिलेंडर सहित) +4.00 और से अधिक नहीं होना चाहिए।

नोट (2) फँडस परीक्षा: जहां तक सम्भव होगा चिकित्सा बोर्ड की विवाद पर फँडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकॉर्ड किया जाएगा।

नोट (3) कलर विजन:

- (i) कलर विजन की जांच ज़रूरी होगी।
- (ii) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए तो लैटर्न में एपर्चर के आकार पर लिंबर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड	
1.	लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दृष्टि	4.9 मीटर	4.9 मीटर
2.	द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि.0 मीटर	1.3 मि.0 मीटर
3.	उच्चभासन काल	5 सेकंड	5 सेकंड

1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच

जनता की सुरक्षा से सम्बद्ध सेवाओं के लिए अधिकारी, पायलटों, श्रावकों, गाड़ी आदि के लिए कलर विजन का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है किन्तु अन्य के लिए कलर विजन का निम्नतर ग्रेड उपयुक्त समझा जाएगा। कलर विजन का यही स्तर समस्त हंजीनियरी कार्मिकों के संबंध में भी लागू होगा, जिन मामलों में रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक हो जाहे उनकी इयूटी क्लीविंग कार्पैंस (फौलड बर्क) से सम्बद्ध हो या नहीं।

(iii) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग की आसानी से आसानी से ग्राहक हिचकिचाहट के बिना पहचान नेता संतोषजनक कलर विजन है। इशिहारा की जेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न और उसकी रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विषयसनीय समझा जाएगा। वैसे तो वोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। नेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं

के लिए लैटर्न से जांच करना चाहिए है। यह बासे मामले में जब उम्मीदवार की किसी एक जांच करने पर अधोग्य पाया जाए तो वोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

मोट (4) दृष्टि क्षेत्र (फ़िल्ह आफ विजन): सम्मुख विधि (कन्फरेंसन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संशिक्षण हो तब क्षेत्र को परमापी (वर्नमाइटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

मोट (5) रसाईयी (नाइट ब्लाइंडनेट): केवल विशेष मामलों को छोड़कर रसाईयी की जांच नेमी रूप से जल्दी नहीं है। रसाईयी में विद्युत न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल थोर्ड को ही ऐसा कामचलाऊ टैस्ट कर देने चाहिए जैसे रोगीनी कम करके या उम्मीदवार को अधिकरे करने में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विवास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

मोट (6) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की व्यापार:

(आकाशपत्र कंडीशन):

(क) आंख की अंग संबंधी बीमारी को या अक्षरी ही अपवर्तन क्षुटि (रिफ्रिटर ऐरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की सम्भावना हो, अधोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रोमो): रोहे जब तक भयानक न हों साधारणतः अधोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) भैगापन: जबां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जल्दी है, भैगापन अधोग्यता माना जाएगा, चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्षमता न हो।

(घ) एक आंख वाला व्यक्ति: एक आंख वाले व्यक्ति की नियुक्ति देखु अनुमान नहीं की जाएगी।

(ज) रक्त वाब (ब्लड प्रेशर):

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में थोर अपने निर्णय से काम लेगा। नामेल मैक्जीमम सिस्टालिक प्रेशर के आकालन की काम घलाऊ विधि निम्न प्रकार है:—

(i) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकालन में 110 आधी आयु का सामान्य नियम विकृत संतोषजनक दिखाई पड़ती है।

ध्यान दें: सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर रिस्टालिक प्रेशर और 90 एम० एम० के ऊपर डायस्टालिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अधोग्य या योग्य ठहराने के गंभीर में अपनी अंतिम राय देने से पहले थोर्ड को जाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि धबराहट (एक्साइमेंट) यावि के कारण ब्लड प्रेशर थोर्ड समय रखने वाला है या इसका कारण कोई कापिक (आंगनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का लाफ़ने और (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी) जांच और रक्त युरिया निकाय (विलयरेन) की जांच भी नीमी तौर पर की जानी चाहिए। किर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अस्तित्व फैसला केवल मेडिकल थोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाढ़) लेने का तरीका:—

नियमित: पारे बासे वाबमापी (मर्केशी मानोमीटर) किसम का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किसम के व्यायाम या चबराहट के बाब पर्दह मिनट तक रक्त दाढ़ नहीं सेता चाहिए। रोगी बैठा या

लैटा हो बाशते कि वह धोर विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत होरिझंटल स्थिति में रोगी के पादवं पर ही तथा उसके कन्धे से कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रखड़ को बुजा के अन्वर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के थोड़े से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाब कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से सरेटा चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फैल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के थोड़े पर आहु धमनी (ब्रेकिभल आर्टरी) को बब-श्वाकर थोड़ा जाता है और इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेटथस्कोप को हूँके से लाया जाता है जो कफ के भाष्य न ले। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाब इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हरकी आमक व्यनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज व्यनियां सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली व्यनियां हरकी दबी हुई सो लूप्ट प्रायः हो जाएं यह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ऐ लैना चाहिए क्योंकि कुछ के सम्बन्ध का दबाव रोगी के लिए थोभकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होता है। यदि बोबारा पड़साल करनी ज़रूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर व्यनियां सुनाई पड़ती हैं; बाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस 'साइरेंट गैप' से रीडिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूल की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल थोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता लेने तो थोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के घासक चिन्ह और लकड़ों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि थोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लूकोसिस्या) के सिवाय, अधेशित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाएं तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ किट धोषित कर सकता है इसका ग्लूकोज मेह अमृषेही (नाम डायारेटिक) है और थोर्ड कोहनी के लिए थोर्ड को 'फिट', 'अनफिट' की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए थोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जल्दी नहीं होगा। अधेशित के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जल्दी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हृपते या इससे ग्राधिक समय की गंभीरती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ धोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रेजिस्टर्ड विकिट्सा व्यवसायी का स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रस्तुति की तारीख के 6 हफते बाब आरोग्य प्रगाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वस्थ्यता परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बाबों पर ध्यान दिया जाना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से भूजा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज़ शल्य किया (आपरेशन) या हियरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस प्राधार पर अधोग्य धोषित नहीं किया जा सकता बास्तव की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपबन्ध भारतीय रेल भंडार सेवा के घसावा अन्य रेल सेवाओं, लैना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा, गुप 'क', तार वातावात

सेवा युप 'ल' के लिए इन्हीं नियमों के द्वारा युप 'क' और केंद्रीय सेवा इन्हीं नियमों के द्वारा युप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राप्तिकारी के मानवशक्ति के लिए उस संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है:—

1	2	3
(1) एक कान में प्रकट अथवा यदि उच्च फ्रीकॉर्सी में बहरापन पूर्ण बहरापन, दूसरा कान सामान्य होगा।	30 डेसीबिल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।	
(2) दोनों कानों में बहरापन का यदि 1000 से 4000 तक की प्रथम श्रेणी, जिसमें श्ववण यंत्र (हिपरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार सम्पन्न हो।	स्पीच फ्रीकॉर्सी में बहरापन 30 डेसीबिल तक हो सो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।	
(3) सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के डिमेनिक मेप्सेन छिद्र।	(i) एक कान सामान्य हो, दूसरे कान में टिम्पोनिक मेप्सेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की गत्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवार, को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे लिए गए नियम (4) (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।	
(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर के मस्टायड कैविटी से सब-नार्मल श्रवण।	(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य। (iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(5) बहते रहते वाला कान आप-रेणन किया गया/बिना आप-रेणन वाला।	(i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड कैविटी से सुनाई वैता हो, दूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के लिए योग्य। (ii) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी दो कान की अवश्यता श्रवण-यंत्र लगाकर सुधार कर 30 डेसीबिल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।	
(6) नामापृष्ठ की हृषी संबंधी/ विस्तारीय (दोनों डिपार्मेंट)	(i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय किया जाएगा। नहिं अथवा उसे तहित नाक की जीर्ण प्रदाहा एवं रक्तिक दगा। (ii) यदि लक्षणों सहित नामापृष्ठ की अवसरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।	

1	2	3
(7) टांगिल और/अथवा स्वरयंत्र (लैन्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा।	(i) टांगिल और/अथवा स्वरयंत्र (लैन्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य। (ii) यदि आवाज में अस्थायिक कफ़क्षता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(8) कान, नाक, गले (ई० एन० ई०) के हूँके अथवा अपने स्थान पर तुर्दम द्यूमर।	(i) हूँका द्यूमर—अस्थायी रूप से अयोग्य। (ii) तुर्दम द्यूमर—अयोग्य।	
(9) आस्टोकिरीसिस	अध्वण संल की सहायता से या आपरेशन के बावजूद अवश्यता 30 डेसीबिल के अन्दर हीने पर योग्य।	
(10) कान, नाक अथवा गले के जन्म-जात दोष।	(i) यदि काम-काज में बाधक न हो सो योग्य। (ii) भारी माझा में हृक्षलाहृत हो तो अयोग्य।	
(11) मेजलपोली	अस्थायी रूप में अयोग्य।	
(ख) उम्मीदवार दोनों में हृक्षलाता/हृक्षलाती नहीं हो।		
(ग) उसके बात अच्छी हासिल में है या नहीं, और अच्छी हासिल बद्दाने के लिए जरूरी होने पर सकली बात लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दोनों को ठीक समझा जाएगा)।		
(घ) उम्मीदवार की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिश या फैले ठीक है या नहीं।		
(इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।		
(ज) उसे रप्चर है या नहीं।		
(झ) उसे हाईड्रोसील, बड़ी हूँई बैरिकोमिल, बैरिकोजिगिरा (बैन) या बावासीर है या नहीं।		
(ज) उसके अंगों, हाथों और दौरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली भांति स्पतंत्र रूप से फैलती हैं या नहीं।		
(झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।		
(अ) कोई जन्मात तुर्कना या दोष है या नहीं।		
(ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशास हैं या नहीं जिन से कमज़ोर गठन का पता लगे।		
(ठ) कारगर टीके के निशास हैं या नहीं।		
(ड) उसे कोई संचारी (कम्प्यूनिकेल) रोग है या नहीं।		
11. तिल और फेफड़ों की किसी ऐसी चिलक्षणता का पता लगाने के सिए जो साधारण आरोग्य की परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेहीं रूप से छाती का एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।		
जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षा को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार में अपेक्षित दसतापूर्वक ड्यूटी में इनमें बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।		
नोट—उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए सियुक्स सेशन या स्टेंडिंग मेडिकल बोर्ड के डिलाफ उन्हें अधील करने		

के लिए कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गयी की संभावना के संबंध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तकली ही जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के मामले एक अपील की इचाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने भी तारीख के एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए, वरने तूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रारंभना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के हृष्ट में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण पत्र पेश करें तो इस प्रमाण पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा यद्यकि उसमें संबंधित मेडिकल प्रैक्टीशनर का उम्मीदवार का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बावजूद ही लिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही मेवारों के लिए मेडिकल बोर्ड हारा अधोरेय घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग-दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक वीणता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैडर्ड से संबंधित उम्मीदवारों की आय और सेवा काम (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पर्सनल सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं ममका जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राप्तिकारी (यार्डेंटिंग अधिकारी) को यह तस्वीर नहीं होगी कि उसे कोई दूसरी कोई बीमारी या शारीरिक बुरालता (बाइक्ली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात सरकार लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न प्राविष्ठा से भी उतना ही मम्बल है जिनला बत्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुक्त उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले से अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंगन वा अवश्यियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए यद्यकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी सेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-विजाती (कनिष्ठ) और सहायक भू-विजाती के पदों पर नियुक्ति किए जाते हैं उन्हें भारत में या भारत के बाहर क्षमता कार्य करना होगा। ऐसे उम्मीदवारों के मामले में विकिता बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह क्षेत्रगत कार्य के लिए योग्य है या नहीं।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखनी चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्योरा नहीं किया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली थीटी मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुनिश्चित किए जाने में कोई शार्त नहीं है यद्यकि वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राविकारी स्वतंत्र हैं।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुआरा परीक्षा की अवधि साक्षात्कार तथा कम से कम छह महीने में कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुआरा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों की ओर आगे की अवधि के लिए स्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अधवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अनित्म रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :-

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवारों को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ उन्होंने हुई घोषणा (डिलिरेशन) पर सूत्ताकार करने चाहिए; नीचे दिए गोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार को दिवेष रूप से द्व्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें—

(सारक अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें—

3. (क) अपना आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागार्लैण्ड जन जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका औसत कद दूसरे से कम होता है। “हाँ” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर हो में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

(ख) क्या आपको कठीन चेचक, रुक-रुक कर होते वाला या कोई दूसरा बुखार, प्रथिया (ग्लैड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में छून जाना, दमा, दिल की बीमारी फेफड़े की बीमारी, मूर्दा के दौरे, हमटिंग एंड डिसार्टिस हुआ है?

(ग) क्या दूसरी कोई दैनी बीमारी या दुर्दृष्टि, जिसके कारण शाया पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल हताज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेचक आदि का टीका आक्सिडी कार कव लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किसी अघीरता (नर्ससनेस) हुई है।

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित घोरे बोर्ड के कितने:

गदि पिता जीवित	मृत्यु के समय	आपके कितने भाई जीवित हैं,	जातीयों की मृत्यु
दूरों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य और मृत्यु का कारण	पिता की आयु	उनकी आयु और हो चुकी है, उनकी स्वास्थ्य की आयु और मृत्यु का कारण।	

यदि माता जीवित हैं ये के समय	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु
हो तो उनकी आयु माता की और स्वास्थ्य आयु और की अवस्था मृत्यु का कारण	उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	हो चुकी है, मृत्यु के समय और मृत्यु का कारण।

(7) विविध संगठन की योग्यता			
वृष्टि की तीक्ष्णता	चरमे के विना	चरमे से	चरमे की पावर
दूर की नज़र	दा० न००	दा० न००	गोल
पास की नज़र	दा० न००	दा० न००	सिलिप्पिमास
हाईपरमेट्रीविया (व्यक्ति)	दा० न००	दा० न००	

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है? —

8. यदि उपर के प्रश्न का उत्तर हो में हो तो अताशए किस में किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था? —

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ? —

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपकी बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो —

मैं घोषित करता हूँ कि जर्सी तक मेरा विश्वास है, उपर दिए गए सभी जबाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर
मेरे सामने हस्ताक्षर किए—
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट : उपर्युक्त कथन की यथातेता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानकार किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्त खो डेंगे की जोवियम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो जार्डिन निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन एलारेस) या उपदान (ग्रेच्युटी) के सभी वाकों से हाय खो डेंगा।

(अ) (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट—

1. सामान्य विकास — अच्छा—
बीच का —
पोषण : पसला — औसत—
मोटा — की
कद (झूते उतारकर) — वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन—
वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन—
तापमान —
छाती का धेर —

(1) पूरा सास धीने पर —
(2) पूर्य सांस निकालने पर —
2. श्वास—कोई जाहिरा बीमारी —
3. नेत्र :—
(1) कोई बीमारी —
(2) रत्नांशी —
(3) कलर विजन का दोष—
(4) वृष्टि लोक (फोल्ड आफ विजन) —
(5) फूहस की जांच —
(6) दृष्टि तीक्ष्णता (चिक्कल एक्सीटी) —

4. कान :
निरीक्षण — सुनना
वाया कान — वाया कान —
5. ग्रंथियाँ —
थाईराइड —
6. रक्तों की हालत —
7. श्वसन तंत्र (रिमीटेटरी सिस्टम) — क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सोंस के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है?
यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यूहा दें

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलिटरी सिस्टम)
(क) हृदय और आणिक गति (आणिक लीजन) —

गति (रेट) :
खड़े हीने पर
25 बार कुदाए जाने के बाद —
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद —
(ख) बल्ड प्रेशर — शिस्टालिक — शायस्टालिक
9. उदार (पेट) :
बेरा — स्पर्शसंहारा—
हानिया —
(क) दबाकर मालूम करना : जिगर —
तिली —
गुड़ —
द्रूमर —
(ख) रक्ताशी — भगवंदर —

10. तंत्रिका तंत्र (नर्स सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अप-सामान्यता का संकेत —

11. आल संत्र (लोकोमोटर सिस्टम) :
कोई अपसामान्यता —

12. जनन मूल संत्र (जैनिटो यूरिनरी सिस्टम) :
हाईड्रोसील, बेरिकोसील आदि का कोई संकेत :

मूत्र परीक्षा :—
(क) कैसा विकार है?
(ख) उपेक्षित गुरुत्व (सेमिफिक वेनिटी)

(ग) एल्बूमन
 (घ) शक्कर
 (ङ) कास्ट्रस
 (च) कौशिकाएं (सेल्स)

13. आती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट —————

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की हड्डी को दक्षतात्मक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

मोट: महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अवधा उसमें अधिक समय से गर्भी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विविधम् :—

15. (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने से किन सेवाओं में कार्य के दक्ष तथा सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए वह अयोग्य पाया गया है।
 (ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है।

मोट: बोर्ड को अपना विर्णव निम्नलिखित तीन बाँड़ों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) योग्य
 (ii) ————— के कारण अयोग्य
 (iii) ————— के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य।

स्थान ————— अध्यक्ष —————

तारीख ————— रात्रस्थ —————

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर जिन पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनके संबंध में निम्नलिखित विवरण।

1. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण
 (1) भू-विज्ञानी (कमिष्ट) युप क
 (क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को वो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।
 (ख) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में वेतन का निर्धारित वेतनमान :—
 (i) भू-विज्ञानी (कमिष्ट वेतनमान) रुपए 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।
 (ii) भू-विज्ञानी (शरिष्ट वेतनमान) रुपए 1100-50-1600।
 (iii) निवेशक—रुपये 1500-60-1800-100-2000।
 (iv) उप महानिवेशक—रुपए 2250-125/2-2500-द० रो०-125/2-2750।
 (v) महानिवेशक—रुपए 3000 (नियत)।
 (ग) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।
 (घ) सेवा और अवकाश तथा देशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य नियम (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं।

(ङ) सहायक भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना वह सकता है।

2. केन्द्रीय भू-जल बोर्ड

सहायक जल भू-विज्ञानी—युप ख :

(क) नियुक्ति हेतु चुने गए उम्मीदवारों को वो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर गियुक्त किया जाएगा, यदि आवश्यक समझा गया तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।
 (ख) वेतन का निर्धारित वेतनमान : रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।
 (ग) कमिष्ट जल भू-विज्ञानी (युप क) के संबंध में भर्ती अंशतः संच लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः समय-समय पर सरकार द्वारा आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सहायक जल विज्ञानी के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाएगी।
 (घ) सेवा, अवकाश और देशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विविधम् में उल्लिखित हैं।
 (ङ) भविष्य नियम की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य नियम (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित है।

(च) सहायक जल भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

उद्घोग मंडालय

(भारतीय उद्घोग विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

(इसामात की गई वस्तु उद्घोग के लिए नामिका का गठन)

शुद्धिपत्र

सं० 13026(2)/79-ई० प्राई०एम०—इस मंडालय के समसंबंधक संकल्प दिनांक 1-8-1980 के पंच 2 में निम्नलिखित को प्रतिस्थापित /जोड़ा जाए :—

कम संख्या 4 में

श्रीमती श्री० निर्मल,
उप-सचिव,
रक्षा मंडालय,
रक्षा उत्पादन विभाग,
के स्थान पर
क्रिगे० पी० आर० छवन,
निरीक्षण भारतीय विभाग,
रक्षा उत्पादन विभाग,
नई दिल्ली।
पदा जाय

कुलदीप गणवाल, भवर सचिव

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली-110010, दिनांक 15 सितम्बर, 1980

• कल्प

सं० 1/4/80-इन्वा०—भारत सरकार ने श्री विज्ञान सिंह, संसद सदस्य को 21 जूलाई, 1980 से पर्यावरणीय प्रतिरक्षा को सुनिश्चित करने के बारे में उपयुक्त विद्यायी उपायों तथा प्रशासनिक तन्त्र की सिफारिश करने हेतु इस विभाग के 29 फरवरी, 1980 के समसंबंधक संकल्प द्वारा गठित तदर्थ-समिति के एक संवय के रूप में नियुक्त करने का निर्णय किया है।

प्रादेश

आवेदा दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, संबंधित विभागों/मंडलों को प्रेषित की जाए।

यह भी आवेदा दिया जाता है कि इस संकल्प को जलसामान्य की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एन० श्री० जयाल, संयुक्त सचिव

कृषि मंडालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1980

संकल्प

सं० एफ० 19-23/80-एफ०-2—भारत सरकार के दिनांक 28-3-1979 के संकल्प सं० 6-20/78-एफ०-2 में, जिसके द्वारा वन संसाधन निवेशपूर्व सर्वेक्षण की चार क्षेत्रीय समन्वय समितियों का गठन किया गया था, सदस्यों की सूची में निम्नलिखित को श्री शामिल करने का निर्णय किया है :—

1. क्षेत्रीय समन्वय समिति पूर्वी क्षेत्र सचिव, वन विभाग, सिक्किम।
2. क्षेत्रीय समन्वय समिति, उत्तरी क्षेत्र।
प्रबन्ध निवेशक, राज्य निगम, अमृतपुर।

प्रादेश

आवेदा दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंडालयों/विभागों, प्रशासनमंडली सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, गोपना आयोग, मंत्रिमंडल सचिवालय, भारत

के नियंत्रक सथा महा लोका परीक्षक, सभी राज्यों तथा संघ राज्य ओंकारों, कृषि मंडालय (कृषि तथा महाकारिता विभाग) के सभी सम्बद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों, लोकसभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संघ पुस्तकालय को भेजी जाए।

यह भी आवेदा दिया जाता है कि इस संकल्प को जन साधारण की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

ज० पी० भट्टाचार्य भवर सचिव

नौवहन और परिवहन मंडालय

(पत्र पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1980

संकल्प

सं० पी० टी० एच०-4/77—राष्ट्रीय बन्दरगाह बोर्ड के पुस्तकालय के बारे में नौवहन और परिवहन मंडालय के 6 मई, 1978 के संकल्प संख्या पी० टी० एच०-4/77 में आंशिक संशोधन स्वरूप उक्त बोर्ड में इसकी बच्ची हुई प्रथम में गुजरात राज्य के कृषि और पत्तन मंडली गहनता श्री विजयदास झीं प्रथ उक्त राज्य के पत्तन मत्स्य पालन व ग्राम्य व्यवसाय के मंडली के स्थान पर गुजरात राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रादेश

आवेदा दिया गया कि इस संकल्प की एक-एक प्रति बोर्ड के सदस्यों, राष्ट्रपति के सचिव, प्रधान मंत्री के सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, योजना आयोग, भारत सरकार के सभी मंडालयों/विभागों और संबंधित राज्य सरकारों को भेजी जाए।

यह भी आवेदा दिया गया कि संकल्प को सर्व साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

दिनेश कुमार जैन, संयुक्त सचिव

रेल मंडालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1980

संकल्प

सं० हिन्दी/समिति/80-38/1—रेल मंडालय (रेलवे बोर्ड) के दिनांक 13-3-1980, 21-3-80 और 17-4-80 के संकल्प सं० हिन्दी/समिति/80/38/1 को कम में निम्नलिखित गैर-सरकारी सदस्यों को रेल मंडालय के प्रधान गठित रेलवे हिन्दी सालाहकार समिति का सदस्य नामित किया जाता है :—

1. श्री गंगा शरण सिंह,
अध्यक्ष हिन्दी संस्था संघ
राजेन्द्र नगर, पटना।
2. डा० रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव,
भाषा विज्ञान विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
3. डा० शोलानाथ तिवारी,
ई०-4/23 भाड़ा दारान, दिल्ली।

इन सदस्यों के सम्बन्ध में अन्य शर्तें वही होंगी जो 13-3-1980 के संकल्प में उल्लिखित हैं।

प्रादेश

यह आवेदा दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति प्रधान-मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोकसभा तथा राज्यसभा सचिवालय और भारत सरकार गंगा मंडलयों तथा विभागों को भेज दी जाए।

यह भी आवेदा दिया जाता है कि सर्व साधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

क० आमवद्दम, सचिव, रेलवे बोर्ड
एवं पदेन संयुक्त सचिव,

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 29th September 1980

No. 78-Pres/80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officer :

Shri Rajpal Singh,
Sub-Inspector of Police,
Civil Police,
Meerut,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 26th April, 1979 at about 1300 hours, Shri Rajpal Singh while patrolling the Dhanaura area received information that the notorious dacoit Raj Singh, who was operating in Uttar Pradesh and Haryana, was present at the tubewell of Girwar. Shri Rajpal Singh along with the police force available immediately proceeded to the hideout of the dacoit gang. The dacoit perceived the movements of the police and opened fire on them. Shri Rajpal Singh challenged the dacoits and asked them to surrender but the dacoits did not stop firing. The Dacoits retreated towards village Naglabadhi but continued to fire intermittently. Some villagers of village Dhanaura also joined the police party which kept on chasing the Dacoits who entered village Baravad and hid themselves in the sugarcane fields. Shri Rajpal Singh kept on exhorting his men to continue firing on the dacoits. He also took the rifle of one party member and shot dead one of the dacoits. Two more dacoits were shot dead by the other members of the police party.

In this encounter Shri Rajpal Singh exhibited conspicuous gallantry initiative, leadership and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under the rule, with effect from the 26th April, 1979.

No. 79-Pres/80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Central Industrial Security Force :—

Name and Rank of the officer

(Deceased)

Shri Bhardul Singh,
Head Security Guard No. 6909613,
Central Industrial Security Force Unit,
Indian Oil Corporation Limited,
Barauni.
Bihar.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the night of 24th/25th November, 1979, a small party consisting of three Head Security Guards and three Security Guards, of the Central Industrial Security Force led by Shri Lalit Ram, Sub Inspector was deputed to prevent the commission of theft of copper cables which was likely to take place in the Old Stores area of Barauni Oil Refinery area. The party was divided into three groups. While the group led by the Sub-Inspector took up position near the Cable stack, the second group led by Shri Bhardul Singh, Head Security Guard was detailed on the northern side of the stack-yard. The third group was positioned on the southern side. At about 11.15 P.M., the criminals trespassed into the prohibited area of the Refinery after scaling the perimeter wall. When they approached the Cable-stack, they were challenged by Shri Lalit Ram. Two of the culprits fled towards the southern direction and were chased by the third group of the Central Industrial Security Force personnel. Shri Bhardul Singh and a Security Guard who were keeping watch on the Northern end also rushed towards the southern side to help in apprehending the criminals. On the way, because of dense bushes, enormous scraps and uneven ground, Shri Bhardul Singh got separated from the Security Guard. When Shri Bhardul Singh reached the place where the cables had been kept, he saw a culprit hiding in a bush. Shri Bhardul Singh who was carrying a lathi, in disregard of his personal safety and unmindful of the risk involved in apprehending the criminal

who was likely to be armed, pounced upon the culprit. However, the culprit shot at Shri Bhardul Singh almost point blank in the chest and the abdomen, as a result of which Shri Bhardul Singh died on the spot.

In this action Shri Bhardul Singh exhibited conspicuous gallantry, determination, exceptional courage and devotion to duty of very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th November, 1979.

S. NILAKANTAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

RULES

New Delhi, the 11th October, 1980

No. A-12025/6/80-M2.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1981 for the purpose of filling vacancies in the following posts are with the concurrence of Ministry of Agriculture, published for general information :—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines)

- (i) Geologist (Junior), Group A and
- (ii) Assistant Geologist Group B

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Agriculture)

Assistant Hydrogeologist, Group B

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the result of the written examination.

2. Appointments on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either.—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1981 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1951, and not later than 1st January 1960.

(b) the upper age limit will be relaxable upto a maximum of 7 years in the case of Government servants if they are employed in a Department mentioned in column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in column II.

Column I	Column II
Geological Survey of India	Geologist (Junior) Group A. Assistant Geologist, Group B
Central Ground Water Board	Assistant Hydrogeologist, Group B.

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) up to maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS
PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application duly recommended, has been, forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have—

- (a) Masters' degree in Geology or Applied Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956; or
- (b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or
- (c) MSc. Degree in Marine Geology of the Cochin University.
- (d) MSc. degree in Mineral Exploration of the Karnataka University (for posts in the Geological Survey of India only).

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also

apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 31st July 1981.

NOTE II.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

10. The decision of the Commission as to the eligibility, or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order to many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical examination.

NOTE :—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

T. R. VISWANATHAN,
Deputy Secretary

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan :—

PART I—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

PART II—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 7 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Subjects	Duration	Maximum Marks
1	2	3
(1) General English	1½ hrs.	100
(2) Geology Paper I comprising of General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology.	3 hrs.	200
(3) Geology Paper II, comprising of Crystallurgy, Mineralogy, Petrology and Geo-chemistry.	3 hrs.	200
(4) Geology Paper III comprising of Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration, Mineral Economics and Economic Geology.	2 hrs.	150
(5) Hydrogeology	2 hrs.	150

NOTE.—Candidates competing for post under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subjects at (1) to (3) and (5) above.

3. The examination in all the subject will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including Sample Questions, please see "Candidates' Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

7. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

8. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

SCHEDULE

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidates' grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) GENERAL ENGLISH

Questions to test the understanding of and the power to write English.

(2) GEOLOGY PAPER I

A. General Geology.—Origin of the Earth, Continents and Oceans—their distribution, evolution and origin. Continental drift, ocean spreading and concept of plate-tectonics. Palaeoclimates and their significance. Isostasy. Palaeomagnetism. Radioactivity and its application to Geology. Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth. Geosynclines. Volcanism. Island arcs, deep-sea trenches and midoceanic ridges. Coral reefs. Orogeny and epirogeny. Orogenic cycles.

B. Geomorphology.—Geomorphic processes, features and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

C. Structural Geology—Physical properties of rocks. Deformation. Faulting and folding—their mechanics. Primary structures. Lineation, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds. Un-conformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

D. Stratigraphy.—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of world stratigraphy and palaeogeography. Type sections of the various geological systems. Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh). Correlation of the major Indian formations. Age problems in Indian stratigraphy.

E. Palaeontology.—(a) Fossils their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates; corals, brachiopods, lamellibranchs, ammonites, gastropods, trilobites, echinoderms, graptolites and foraminifera.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

(3) GEOLOGY PAPER II

A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals. Projections—Spherical and Stereographic; 32 classes (Point groups). Twinning and crystal imperfections.

B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structure and classification of silicates.

Clivine group, Garnet group, Epidote group and Melilite group. Zircon, Spheue, Sillimanite, Andalusite, Kyanite, Tourmaline, Staurolite, Berl, Cordierite, Pyroxene group and Amphibole group. Wollastonite and Rhodonite. Mica group, Chlorite group and Clay minerals, Feldspar group, Silica minerals, Feldspathoid group, Zeolite group and Scarphite group. Oxides Hydroxides, Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics. Optical accessories. Refractive index, Birefringence, Extinction angle, Pleochroism. Optical ellipsoids Optical axial angle. Optic orientation. Dispersion. Optic anomalies.

D. PETROLOGY

(i) *Igneous* : Forms, structures texture and classification. Granite-Granodiorite-Diorite. Syenite-Nepheline Syenite. Gabbro-Peridotite-Dunite Dolerite. Lamprophyre, Pegmatite, Aplitic, Iiolitic and Carbonatite. Hhyolite, Trachyte, Decite, Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of crystallisation. Reaction principle. Crystallisation of magmas. Diversity. Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary* : Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition Palaeocurrents and basin analysis. Provenance of sediments. Depositional environments. Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) *Metamorphic* : Agents, types, controls structures grades and facies of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granitisation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

E. GEOCHEMISTRY

Cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

(4) GEOLOGY PAPER III**A. INDIAN MINERAL DEPOSITS**

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin;

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre, Precious and Semiprecious minerals, refractory minerals, abrasives, and minerals for ceramics, glass, fertiliser, cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

B. MINERAL EXPLORATION

Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration; guides for locating ore deposits. Sampling assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geological surveys in mineral exploration.

C. MINERAL ECONOMICS

Significance of minerals in national economy. Use of various minerals in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of mineral industries. Strategic, critical and essential minerals. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

D. ECONOMIC GEOLOGY

Mineral deposits—processes of formation, controls of location and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

(5) HYDROGEOLOGY

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic water, springs. Classification of rocks with respect of water bearing characteristics, Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence, Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquifers, aquicluides, aquitards. Classification of aquifers.

Hydrological properties of rock (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, diffusivity. Methods of

identification of ground water reservoir properties—Permeability and specific yield, storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristic of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigation. Water pollution.

APPENDIX-II REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in the regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the points.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight, and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—
He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—
He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres thus 84.89, 86.93.75 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilogram; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one of the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
6/9 or 6/6	6/9 or 6/12	0·6	0·8

NOTE (1)—Total amount of Myopia (including the cylinder shall not exceed -4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D).

NOTE (2)—*Fundus Examination*: Wherever possible funds examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3)—*Colour vision*: (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and candidate	4·9 metres	4·9 metres
2. Size of aperture	1·3 mm.	1·3 mm.
3. Time of exposure	5 Sec.	sec.

For the services concerned with safety of the Public, e.g. pilots, drivers, guards, etc., the higher grade of colour vision is essential but for others the lower grade of colour vision should be considered sufficient. The same standards of colour vision should be applicable in respect of all engineering personnel in whose case colour perception is considered essential irrespective of the fact whether their duties involve field work or not.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edridge Green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when

tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE (4).—*Field of vision*.—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5).—*Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (6). (a) *Ocular conditions other than visual acuity*.—any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—Where the presence of binocular vision is essential squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard should be considered as a disqualification.

(d) *One eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 year of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff, completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical

Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs of symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal.	Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.	
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvements possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.	
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.	(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit. Under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below. (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit. (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.	

1	2	3
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/ on both sides	(i) Either ear normal hearing either ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both sides, Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.	
(5) Persistently discharging ear-operated/un-operated.	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.	
(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.	
(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily unfit.	
(8) Benign or locally malignant tumours of the [E.N.T.]	(i) Benign tumours—Temporarily Unfit. (ii) Malignant Tumours—Unfit	
(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.	
(10) Congenital defects of ear, nose or throat	(i) If not interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.	
(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit.	
	(b) that his speech is without impediment; (c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound); (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound; (e) that there is no evidence of any abdominal disease; (f) that he is not ruptured; (g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles; (h) that his limbs, hands, and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;	

- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease.
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note.—candidates are warned there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early petition or payment in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be occupied as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologists are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or sur-

gical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been affected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters).....
2. State your age and birth place
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhae, Garhwalis, Assamcse, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.
- (b) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis?
- (c) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?
4. When were you last vaccinated ?
5. Have you suffered any form of nervousness due to over work or any other cause ?
6. Furnish the following particulars concerning your family.

Father's age, if living, and State of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers living, their ages and state of health
--	--	--	--

Mother's age, if living, and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters living, their ages and state of health
--	--	---	---

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

8. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for.

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

11. Results of the Medical Boards' examination, if communicated to you or if known.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development : Good Fair
Poor

Nutrition : Thin Average Obese

Height (without shoes) Weight

Any recent change in weight.....

Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)
(2) (After full exhalation).....

2. Skin : any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease
(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision.....

(4) Field of Vision

(5) Funds Examination

(6) Visual Acuity

(7) Ability for stereoscopic fusion

Acuity of Vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses sph. cyl. Axis.
------------------	-----------	--------------	--

Distant Vision			
RE			
LE			

Near Vision			
RE			
LE			

Hypometropia (Manifest)			
RE			
LE			

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear.....
..... Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully.....

8. Circulatory System :

(a) Heart and organic lesions.....

Rate : Standing.....

After hopping 25 times.....

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic..... Diastolic

9. Abdomen : Girth

Tenderness

Hernia

(a) Palpable Liver..... Spleen

Kidneys..... Tumours

(b) Haemorrhoids

Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities.

11. Loco-Motor System : Any abnormality.....

12. Genito-Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance.....

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar.....

(e) Casts.....

(f) Cells.....

13. Report of X-Ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate.....

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

President

Member

Place

Date

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Geological Survey of India

(1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years, which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India :—

(i) Geologist (Jr. Scale)—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Geologist (Sr. Scale)—Rs. 1100—50—1600.

(iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iv) Deputy Director General—Rs. 2250—125/2—2500—EB—125/2—2750.

(v) Director General—Rs. 3,000 (fixed).

(c) Promotion to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistants Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through DPC by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Geologists are liable for service anywhere in India or outside India.

2. Central Ground Water Board

Assistant Hydrogeologist, Group B

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay :—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the cadre of Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotions from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Hydrogeologists are liable for Service anywhere in India or outside India.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPTT. OF HEAVY INDUSTRY)

New Delhi, the 8th September 1980

CORRIGENDUM

(Constitution of a Penal for the Steel Forgings Industry)

No. 13026(2)/79-E.III.—In the Resolution of even number dated 1-8-1980 of this Ministry the following substitutions/additions be made in para 2 thereof :—
At serial No. IV...

For

Mrs. B. Nirmal
Dy. Secretary
Ministry of Defence
Dept. of Defence Production

4—271 GI/80

Read :

Brig. P. R. Dhawan
Director General of Inspection
Dept. of Defence Production
New Delhi.

KULDIP GANJWAL, Under Secy.

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

New Delhi-110016, the 15th September 1980

RESOLUTION

No. 1/4/80-Env.—The Government of India have decided to appoint Shri Digvijay Singh, M.P., with effect from 21st July, 1980, as one of the members of the Ad-hoc Committee set up for recommending suitable legislative measures and administrative machinery for ensuring environmental protection *vide* this Department's Resolution of even number dated 29th February, 1980.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all the Members of the Committee, Departments/Organisations concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. D. JAYAL, Lt. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

New Delhi, the 18th September 1980

RESOLUTION

No. F.19-23/80-F.II.—The Government of India have decided to make the following further additions to the list of Members of the various Zonal Coordination Committees *vide* Resolution No. 6-20/78-F.II dated 28-3-1979 constituting the four Zonal Coordination Committees on Pre-investment Survey of Forest Resources :—

1. *Zonal Coordination Committee Eastern Zone.*
Secretary of Forest Department, Sikkim.

2. *Zonal Coordination Committee Northern Zone.*
Managing Director of State Corporation of Jammu & Kashmir.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be forwarded to all Members of the Committee, All Ministries/Departments of the Govt. of India, the Prime Minister's Secretariat, the President's Secretariat, Planning Commission, Cabinet Secy., Comptroller and Auditor General of India, All States and Union Territories, All Attached and Subordinate Officers of the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation), the Lok Sabha Secretariat, the Rajya Sabha Secretariat, Parliament Library.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

J. P. BHATNAGAR, Under Secy.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(PORTS WING)

New Delhi, the 17th September 1980

RESOLUTION

No. PTH-4/77.—In partial modification of the Ministry of Shipping and Transport Resolution No. PTH-4/77, dated the 6th May, 1978 regarding reconstitution of National Harbour Board, Mahant Shri Vijaydaasji, Minister for Agriculture and Ports, Gujarat State will now represent Gujarat State instead of Minister of Ports, Fisheries and Small Savings, Government of Gujarat, for the remaining period of the term.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to the members of the Board, Secretary to the President, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Planning Commission, Ministries/Departments of the Government of India and the State Governments concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D. K. JAIN, Lt. Secy.

**MINISTRY OF RAILWAYS
RAILWAY BOARD**

New Delhi, the 12th September 1980

No. Hindi/Samiti/80/38/1.—In continuation of Ministry of Railways' (Railway Board) resolutions No. Hindi/Samiti/80/3/81 dated 13-3-80, 21-3-80 and 17-4-80 the following non-official members are nominated as Members of the Railway Hindi Sahakar Samiti constituted under Ministry of Railways :—

1. Sh. Ganga Sharan Singh,
President, Hindi Sanstha Sangh,
Rajendra Nagar, Patna.
2. Dr. Ravindra Nath Shrivastva,
Department of Linguistics,
University of Delhi, Delhi.

3. Dr. Bhola Nath Tiwari,
E-4/23, Model Town,
Delhi.

The other conditions concerning these members will be the same as mentioned in resolution dated 13-3-80.

ORDER

Ordered that a copy of this resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats and Ministries and Departments of Government of India.

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. BALACHANDRAN, Secy., Railway Board &
ex-officio Lt. Secy.